विश्व पर्यावरण दिवस (05.06.2026)

क्या आपको लगता है कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल समुद्र तटों (beaches) की समस्या है? फिर से सोचिए। 🌧️🌊

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण (Fishery Survey of India - FSI) द्वारा आयोजित कार्यशाला से पता चला है कि **मानसून प्रदूषण के एक बड़े "त्वरक" (accelerator) के रूप में कार्य करता है**। यह भारत के वार्षिक जमीनी कचरे का **46%** हिस्सा 80 तटीय प्रवेश बिंदुओं के माध्यम से सीधे अरब सागर और हिंद महासागर में बहा देता है।

मुंबई में, तटीय मलबे में शहरी उपभोक्ता प्लास्टिक की हिस्सेदारी **85.9%** है, जिसके कारण जुहू और वर्सोवा चौपाटी को वैज्ञानिक रूप से **"अत्यधिक गंदा" (Extremely Dirty)** वर्गीकृत किया गया है। सतह के नीचे, मुंबई के **9.21% जीवित शहरी मूंगे (corals)** प्लास्टिक कचरे के नीचे दबकर दम तोड़ रहे हैं और अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

आशा की एक नई लहर! 🌊

FSI और उनके सहयोगी वैज्ञानिक समुदाय-आधारित समाधानों के साथ इस स्थिति को बदल रहे हैं:

- 💰 **कचरे से कमाई (Trash to Cash):** दहानू, वर्सोवा और रत्नागिरी में प्रस्तावित 'मैरीन लिटर रिसाइक्लिंग हब' (MLRH) मछुआरों को समुद्र से कचरा निकालने के लिए **₹40-50 प्रति किलो** का भुगतान करेंगे।
- 🛡️ **बहाव पर रोक (Flow Defense):** ICAR-CIFE, मुंबई द्वारा "समुद्र में बहने वाले पानी से प्लास्टिक और मलबे को हटाने के लिए एक डबल-कंपार्टमेंट ट्रैपिंग डिवाइस" की शुरुआत की गई है, जो **सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल** पर आधारित है।
- 🔬 **ग्रीन टेक (Green Tech):** "जीवसूत्र" (Jeevsutra) का परिचय–यह पूरी तरह से **बायोडिग्रेडेबल मछली पकड़ने का धागा** है, जो समुद्री आवासों को नष्ट करने वाले घातक "घोस्ट नेट्स" (लावारिस जाल) को रोकने में मदद करेगा।
- 📱 **डिजिटल सुरक्षा (Digital Defense):** समुद्री मलबे के हॉटस्पॉट की रीयल-टाइम मैपिंग के लिए **'अर्णवरक्षाद्वारम' (Arnavrakshadvāram)** वेब पोर्टल का शुभारंभ।

अब समय आ गया है कि हम अपने जल स्रोतों को जलग्रहण क्षेत्रों (catchment) से लेकर तटों तक सुरक्षित रखें। 💙